

management. ...*(Interruptions)*... I want to speak ...*(Interruptions)*... Sir, kindly put the House in order. This is not the way. The whole world is watching. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Mithlesh Kumar. ...*(Interruptions)*... Please speak. श्री मिथलेश कुमार। ...*(व्यवधान)*...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to connect Shahjahanpur at NH-24 with Agra Expressway

श्री मिथलेश कुमार (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। ...*(व्यवधान)*... मैं सदन के माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहता हूँ कि शाहजहांपुर एनएच-24 से जलालाबाद, फर्रुखाबाद, छिबरामऊ होते हुए सौरिख तक का रास्ता आगरा एक्सप्रेस वे फोर लेन से जुड़ जाने पर शाहजहांपुर और आगरा के बीच की दूरी कम रह जायेगी, जिससे इस क्षेत्र को व्यावसायिक गति मिल जायेगी। ...*(व्यवधान)*... आम जनता के लिए आगरा एक्सप्रेस वे से एनएच-24 के जुड़ जाने से शाहजहांपुर तक आने-जाने के लिए प्रमुख मार्ग बन जायेगा। शाहजहांपुर तथा आगरा, उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शहर तथा पर्यटक केन्द्र होने के नाते इन दोनों शहरों के बीच रास्ता सुगम होना अति आवश्यक है। ...*(व्यवधान)*... तथा इस बीच में फर्रुखाबाद में पवित्र मां गंगा का घटिया घाट स्थान भी है, जो कि आस्था का प्रतीक है ...*(व्यवधान)*... जिसमें श्रद्धालु हर अमावस्या तथा हर पूर्णिमा को स्नान करने के लिए आते हैं, जिनकी संख्या हजारों में होती है। ...*(व्यवधान)*... उनको खराब मार्ग का सामना करना पड़ता है। ...*(व्यवधान)*...

अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय सड़क परिवहन मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यावसायिक तथा सांस्कृतिक महत्व के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने हेतु दोनों नगरों को जोड़ने से जनहित में शाहजहांपुर एनएच-24 से जलालाबाद फर्रुखाबाद, छिबरामऊ होते हुए सौरिख तक का रास्ता आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे तक फोर लेन बनवाने हेतु प्राक्कलन मंगवाकर उसको स्वीकृति प्रदान कर बनवाने की कृपा करें, जिससे इस पूरे क्षेत्र के व्यावसायिक तथा कृषि कार्य के साथ-साथ आम जनता को आने-जाने में सुविधा मिल सकेगी। मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the concern expressed by the hon. Member.

श्री उपसभापति : धन्यवाद। श्री मोहम्मद नदीमुल हक जी। ...**(व्यवधान)**...

Frauds by digital lending apps charging higher rate of interest

SHRI MOHAMMED NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I would like to draw your attention regarding unethical practices of digital lending apps inflicting financial harm on the economically weaker borrowers of our country. There is a huge number of complaints received against banks and NBFCs relating to digital lending apps. As per the answer given in the Lok Saba, during the period April 1, 2021 and November 30, 2022, 12,903 complaints have been received against the digital lending apps and against recovery agents under the Integrated Ombudsman Scheme. Digital lending apps charge far higher rates of interest than traditional banks. ...*(Interruptions)*... These are becoming extortionate, and their processing fee is as high as 1.1 per cent to 5.3 per cent, and they are charging interest from 14.5 per cent to 38.5 per cent per annum which is very much higher than traditional banks. ...*(Interruptions)*... The RBI has tweaked the guidelines and recently, on 1st December, 2022, they have given fresh guidelines aiming to smoothen the lending process, but there are many things which are still unclear. ...*(Interruptions)*... The stakeholders are still awaiting clarity on many aspects, especially, the First Loss Default Guarantee System (FLDG) and there are many illegal lending apps which are not under the ambit of RBI. Out of 1,100 apps, as many as 600 apps are illegal and I have to share with the House that most of these apps are Chinese apps. ...*(Interruptions)*...

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, Sir ...*(Interruptions)*...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (राजस्थान): सर, लीडर ऑफ द अपोजिशन बोलने के लिए खड़े हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान): सर, एलओपी की बात सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**... सर, एलओपी को सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI MOHAMMED NADIMUL HAQUE: They offer small loans without much paper work and then they bully the customers who are unable to repay the loans on time. Things came to such an extent that in November, 2020, one person, Shri Sai Aravind, on a small